आज सोमवार है

आज सोमवार है महादेव का वार है
सच्चा ये दरबार है,
सुबह सवेरे जल जो चढ़ाये,
उसका बेड़ा पार है,
आज सोमवार है, महादेव का वार है,
भोले का दरबार है,
सुबह सवेरे जल जो चढ़ाये,
उसका बेड़ा पार है,
आज सोमवार है...

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

तीन लोक के ये हैं दाता,
लीला बड़ी अपार है,
लीला बड़ी अपार है,
दुखियों के हो भाग्य विधाता,
तेरी जय जयकार है,
तेरी जय जयकार है,
महिमा अपरम पार है,
महादेव का वार है,
भोले का दरबार है,
सुबह सवेरे जल जो चढ़ाये,

उसका बेड़ा पार है,
आज सोमवार है...
भाल चन्द्रमा, शीश मुकुट पे,
जटा में गंगा धारा है,
जटा में गंगा धारा है,
हे शिव शंकर निहारक,
तेरा रूप निराला है,
तेरा रूप निराला है,
सबकी यही पुकार है,

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

सच्चा ये दरबार है,
सुबह सवेरे जल जो चढ़ाये,
उसका बेड़ा पार है,
आज सोमवार है, महादेव का वार है,
भोले का दरबार है,
सुबह सवेरे जल जो चढ़ाये,
उसका बेड़ा पार है,
आज सोमवार है...

आज सोमवार है, महादेव का वार है,
सच्चा ये दरबार है,
सुबह सवेरे जल जो चढ़ाये,
उसका बेड़ा पार है,
आज सोमवार है, महादेव का वार है,
भोले का दरबार है,
सुबह सवेरे जल जो चढ़ाये,
उसका बेड़ा पार है,
आज सोमवार है...

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

आज सोमवार है सावन की बहार है

आज सोमवार है सावन की बहार है,
भोले का दरबार है,
सुबह सवेरे जल जो चढ़ाए,
उसका बेड़ा पार है,
आज सोमवार है॥

तर्ज आज सोमवार है।
तीन लोक के ये है दाता,
लीला बड़ी अपार है,
लीला बड़ी अपार है,
दुखियों के हो भाग्यविधाता,
इनकी जय जयकार है,
इनकी जय जयकार है,
महिमा बड़ी अपार है,
शिव शंकर का वार है,
भोले का दरबार है,
सुबह सवेरे जल जो चढ़ाए,

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

उसका बेड़ा पार है,
आज सोंमवार है॥

हे त्रिपुरारी भंडारी,
तुझपे ये जग है बलिहारी,
तुझपे ये जग है बलिहारी,
मदन क्रदन कर पाप हरण,
हर भोले शंकर त्रिपुरारी,
भोले शंकर त्रिपुरारी,
मृत्युंजय अविकार है,
शिव शंकर का वार है,
भोले का दरबार है,
सुबह सवेरे जल जो चढ़ाए,
उसका बेड़ा पार है,
आज सोमवार है॥

भाल चन्द्रमा शीश मुकुट पे,
जटा में गंगा धारा है,
जटा में गंगा धारा है,

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

शिव शम्भू हे तारक हारक,
इनका रूप निराला है,
इनका रूप निराला है,
सबकी यही पुकार है,

शिव शंकर का वार है,
भोले का दरबार है,
सुबह सवेरे जल जो चढ़ाए,
उसका बेड़ा पार है,
आज सोमवार है॥

आज सोमवार है सावन की बहार है,
भोले का दरबार है,
सुबह सवेरे जल जो चढ़ाए,
उसका बेड़ा पार है,
आज सोमवार है॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

अन्य भजन

- आज रविवार है
- आज सोमवार है
- आज मंगलवार है
- आज बुधवार है
- आज गुरुवार है
- आज शुक्रवार है
- आज शनिवार है

हिन्दीपथ.कॉम